पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को सभी प्रमुख क्षेत्रों में लगा बड़ा झटका, जानिए क्या हो गई है हालत

इस्लामाबाद. एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को सभी प्रमुख क्षेत्रों में बड़ा झटका लगा है. पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था अपेक्षाओं के अनुरूप प्रदर्शन करने में विफल रही, जिसके परिणामस्वरूप उसकी आर्थिक विकास दर केवल 3.3 प्रतिशत रही, जबकि 2018-19 के लिए उसका विकास लक्ष्य 6.2 प्रतिशत था. यानि भारत का यह पड़ोसी देश आर्थिक तरक्की के तय लक्ष्य से काफी पिछड़ गया.

पाकिस्तान की तरफ से की गई आधिकारिक घोषणा में बताया गया कि कृषि, औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र में उसकी ग्रोथ केवल क्रमश: 0.85pc, 1.4pc और 4.7pc रही. जोकि पाकिस्तान की इमरान खान नीत सरकार के पहले वर्ष में समग्र अर्थव्यवस्था के निराशाजनक प्रदर्शन को दर्शाता है.

सरकार ने कृषि में 3.8 श्च, उद्योग में 7.6 श्च और सेवाओं में 6.5 श्च का अनुमान लगाया था और इस प्रकार त्नष्ठक्कविकास का लक्ष्य 6.2श्चतय किया गया. हालांकि वह अपने सभी लक्ष्?यों से बुरी तरह पिछड़ गई. सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की समीक्षा करने के लिए सचिव (योजना, विकास और सुधार) ज़फर हसन की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लेखा समिति की 101वीं बैठक में इन आंकड़ों को तैयार किया गया.

इसके अलावा आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्?तान पर कर्ज का दबाव बढ़ता जा रहा है. वह दिनोंदिन कर्जे में

डूब रहा है. खुद पाकिस्?तान की सीनेट को सरकार की तरफ से बताया गया है कि पाकिस्तान का विदेशी ऋण 88.199 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है.पाकिस्?तान के वित्त मंत्रालय ने सीनेट में प्रश्नकाल के दौरान विदेशी ऋण के आंकड़ों को जारी किया. मंत्रालय की तरफ से कहा गया कि पिछले छह वित्तीय वर्षों में देश ने 26.19 बिलियन अमेरिकी डॉलर का ऋण लिया, जोकि 7.32 बिलियन डॉलर ब्याज से अतिरिक्?त है. इसके चलते पिछले छह सालों में देश पर कुल विदेशी कर्ज 33.50 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है. वित्त मंत्रालय ने अपने जवाब में कहा कि वित्त वर्ष 2013-14 में पाकिस्तान ने 6.90897 बिलियन डॉलर, वित्त वर्ष 2014-15 में 5.40721 बिलियन डॉलर, जबकि वित्त वर्ष 2015-16 में 4.45020 बिलियन अमेरिकी डॉलर का कर्ज लिया था.

मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2016-17 में विदेशी स्रोतों से पाकिस्तान का उधार 6.520381 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि 2017-18 में देश ने विदेशी स्रोतों से 6.020526 बिलियन अमेरिकी डॉलर का ऋण लिया.देश ने अब तक जारी वित्तीय वर्ष में 4.550154 बिलियन अमेरिकी डॉलर का ऋण लिया है. वित्त मंत्रालय ने अपने जवाब में सीनेट को सूचित किया.

भूकंप के दो झटकों से हिला जापान, अधिकतम तीव्रत 6.3 की गई दर्ज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

'जापान टाइम्स' के अनुसार क्युशु इलेक्ट्रिक पावर कंपनी ने बताया कि भूकंप के कारण कागोशिमा स्थित सेंदाई परमाणु ऊर्जा संयंत्र में किसी प्रकार की गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली है.

मियाजाकी: दक्षिण पश्चिम जापान में मियाजाकी के निकट 6.3 तीव्रता का भूकंप आया. 'यूएस जियोलॉजिकल सर्वे' ने बताया कि भूकंप स्थानीय समायानुसार शुक्रवार सुबह आठ बजकर 48 मिनट पर आया, जिसका केंद्र मियाजाकी के 39 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में जमीन से 23 किलोमीटर गहराई में था.

'जापान टाइम्स' के अनुसार क्युशु इलेक्ट्रिक पावर कंपनी ने बताया कि भूकंप के कारण कागोशिमा स्थित सेंदाई परमाणु ऊर्जा संयंत्र में किसी प्रकार की गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली है.

अमेरिकी विदेश मंत्री के बाद डोनाल्ड ट्रंप कर सकते हैं ईरान की यात्रा, ये होगा मकसद!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जलद ही ईरान के नेताओं के साथ बैठक कर सकते हैं. ईरान की अघोषित यात्रा पर गए अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा , "तेहरान में सत्ता को यह समझना चाहिए कि यदि वे या उनकी ओर से कोई ओर अमेरिकी हितों या नागरिकों के खिलाफ किसी भी प्रकार से हमला करता है तो अमेरिका त्वरित एवं निर्णायक कार्रवाई करके उसका जवाब देगा." अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि वह या उसकी ओर से कोई और अमेरिकी हितों या नागरिकों पर किसी भी प्रकार हमला करता है उसका %त्वरित एवं निर्णायक% जवाब दिया जाएगा.

ईरान ने चुना हिंसा का विकल्प: पोम्पिओ

उन्होंने कहा, "ईरान को हमारे संयम को संकल्प की

कमी समझने की भूल नहीं करनी चाहिए. अभी तक ईरानी शासन ने हिंसा का विकल्प चुना है और हम तेहरान के उन लोगों से शासन का यह व्यवहार बदलने की अपील करते हैं जो तनाव कम करके समृद्ध भविष्य की राह देखते हैं." पोम्पिओ ने अमेरिकी राष्ट्रपति के उस बयान का जिक्र करते हुए यह बात की, जब डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को कहा था कि वह "किसी दिन ईरान के नेताओं के साथ बैठक करना चाहते थे ताकि कोई समझौता किया जा सके और इससे भी जरूरी यह है कि ईरान जिस भविष्य का हकदार है, उसे वह देने की दिशा में कदम उठाया जा सके."

ईरान के कारण बढ़ा है तनाव

पोम्पिओ ने आरोप लगाया कि ईरान ने हालिया सप्ताह में अपने कदमों और बयानों से तनाव और बढ़ाया है. उन्होंने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगियों का रुख साफ है: "हम युद्ध नहीं चाहते". उन्होंने कहा, "लेकिन 40 वर्षों से अमेरिकी जवानों की हत्या, अमेरिकी केंद्रों पर हमले और अमेरिकियों को बंदी बनाया जाना इस बात की लगातार याद दिलाते हैं कि हमें अपनी रक्षा में कदम उठाने ही होंगे."

बगदाद में हुए आत्मघाती विस्फोट में 7 लोगों की मौत: सुरक्षा अधिकारी

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर कहा, "विस्फोटक बेल्ट पहने एक आत्मघाती हमलावर ने जमीला बाजार में खुद को विस्फोट से उड़ा लिया."

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बगदाद. पूर्वी बगदाद के एक बाजार में बृहस्पतिवार को एक आत्मघाती विस्फोट में कम से कम सात व्यक्तियों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी एक सुरक्षा अधिकारी ने दी.

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर कहा, "विस्फोटक बेल्ट पहने एक आत्मघाती हमलावर ने जमीला बाजार में खुद को विस्फोट से उड़ा लिया."

तनावमुक्त रहने के लिए क्या करते हैं आप? खुशहाल देश के PM ने तो निकाला नायाब तरीका

दुनियाभर में खुशहाली के लिए प्रसिद्ध भूटान के प्रधानमंत्री का स्वयं को तनावमुक्त रखने का तरीका सबसे जुदा है. देश के प्रधानमंत्री लोटे शेरिंग तनाव कम करने के लिए चिकित्सक के रूप में सेवाएं देते हैं और सर्जरी करते हैं.

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

थिम्पू: आपाधापी के इस जीवन में खुद को तनावमुक्त करने के लिए लोग तमाम तरह के यत्न करते हैं लेकिन दुनियाभर में खुशहाली के लिए प्रसिद्ध भूटान के प्रधानमंत्री का स्वयं को तनावमुक्त रखने का तरीका सबसे जुदा है. देश के प्रधानमंत्री लोटे शेरिंग तनाव कम करने के लिए चिकित्सक के रूप में सेवाएं देते हैं और सर्जरी करते हैं. पिछले साल देश के प्रधानमंत्री चुने गए शेरिंग ने कहा, "मेरे लिए यह तनाव कम करने का तरीका है."50 वर्षीय शेरिंग ने कहा, "कुछ

लोग गोल्फ खेलते हैं, कुछ तीरंदाजी करते हैं और मुझे ऑपरेशन करना अच्छा लगता है. मैं अपना सप्ताहांत अस्पताल में बिताता हूं." जिगमे दोरजी वांगचुक नेशनल रेफरल अस्पताल का कोई कर्मी प्रधानमंत्री को देखकर हैरान नहीं होता. वहां शेरिंग का चिकित्सक के रूप में सेवाएं देना आम बात है. भूटान कई मामलों में दुनिया के अन्य देशों से अलग है और आर्थिक विकास की बजाए खुशहाली पर ध्यान केंद्रित करने को प्राथमिकता देता है. उसका सकल राष्ट्रीय खुशहाली का एक बड़ा कारण पर्यावरण संरक्षण है. इस खुशहाल देश के प्रधानमंत्री को मरीजों की सेवा करना खुशी देता है.शेरिंग से सर्जरी कराने वाले 40 वर्षीय बमथाप का कहना है, "प्रधानमंत्री ने मेरा ऑपरेशन किया है. उन्हें देश के सबसे अच्छे चिकित्सकों में से एक माना जाता है. मुझे बहुत आराम महसूस हो रहा है."प्रधानमंत्री ने कहा, "अस्पताल में मैं मरीजों की जांच करके उनका उपचार करता हूं और सरकार में मैं नीतियों के स्वास्थ्य की जांच करके उन्हें बेहतर बनाने की कोशिश करता हूं.